कार्यक्रम का नाम - प्रदर्शन कला(संगीत) में स्नातकोत्तर कार्यक्रम कोड - एम0पी0ए0एम0–20				
<u>उद्देश्य</u> - इस कोर्स का उद्देश्य विद्यार्थियो को सौन्दर्यशास्त्र तथा पाश्चात्य संगीत का ज्ञान देना एवं उनके भारतीय संगीत के विभिन्न घटकों के ज्ञान में वृद्धि करना है।				
द्वितीय सेमेस्टर				
2	**संगीत एवं सौन्दर्यशास्त्र II**	एम0पी**0**ए0एम0-**5**0**5**	10**0**	2
	इकाई 1 - भारतीय संगीत वाद्यों का वर्गीकरण (विस्तृत अध्ययन)।			
	इकाई 2 - ध्वनि का विज्ञान एवं महत्व।			
	इकाई 3 - ध्वनि भेद **{**ध्वनि (संगीतोपयोगी),नाद (आहत एवं अनाहत),ध्वनि का उँचा व नीचापन,काकु**}**।			
	इकाई 4 - संगीत संबंधी पारिभाषिक शब्दों की विस्तृत व्याख्या (नाद, स्वर, श्रुति, सप्तक, ताल, लय, लयकारी, ख्याल, ध्रुवपद, धमार, ठुमरी व टप्पा)।			
	इकाई 5 - पाश्चात्य संगीत का परिचय एवं स्टाफ नोटेशन।			
	इकाई 6 - पाश्चात्य संगीत के पारिभाषिक शब्द।			

सहायक/उपयोगी पाठ्य सामग्री -

1.वसन्त, संगीत विशारद, संगीत कार्यालय, हाथरस, उ**0** प्र**0** । **2**. डॉ**0** सुलोचना बृहस्पति**,** ध्वनि और संगीत।

3. डॉ**0** लक्ष्मीनारायण गर्ग**,** राग विशारद**(** दोनों भाग**)**, संगीत कार्यालय, हाथरस, उ**0** प्र**0** । **4**. डॉ**0** लालमणि मिश्र**,** भारतीय संगीत वाद्य**,**भारतीय ज्ञानपीठप्रकाशन**,**दिल्ली ।

5. श्री एस**0**एस**0** परान्जपे**,** भारतीय संगीत का इतिहास। **6**. श्रीमती स्वतन्त्रा शर्मा, सौन्दर्य रस औरसंगीत ।

7. श्री भगवतशरण शर्मा**,** पाश्चात्य संगीत शिक्षा**,** संगीत कार्यालय, हाथरस ।

नोट - एम0पी**0**ए0एम0–5**0**5(द्वितीय सेमेस्टर) कोर्स कोड संगीत की तीनों विधाओं गायन**,** स्वरवाद्य एवं तबला के लिए समान है।